सदभावना शोभायात्रा के सैलाब में डूबा सारा शहर

अजमेर, 27 मार्च। नवसंवत्सर के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा राजकीय महाविद्यालय से निकाली गयी सदभावना शोभायात्रा के सैलाब में पूरा शहर धर्ममय हो गया। कलशधारी शक्ति की प्रतीक नारियों के विशाल यात्रा ने शक्ति के रूप को जीवंत कर दिया। पांच घुड़सवारों, गाजे बाजे के साथ के निकली भव्य शोभायात्रा का पूर्व विधायक डा0 राजकुमार जयपाल, ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अजमेर संभाग की निदेशिका ब्र0 कु0 शांता बहन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

लगभग एक किलोमीटर इस यात्रा में सफेद वस्त्रधारियों भाई-बहनों ने उल्लास से सबको सराबोर कर दिया। सैकड़ों की संख्या में संस्था से जुड़े भाई-बहने स्लोगन लिखी दफ्तियों को लेकर लम्बी कतारों में साथ चल रहे थे। वहीं राजस्थानी परम्परा को जीवंत करते हुए परम्परागत वेशभूषा में सजी महिलायें सर के कलश लेकर चल रही थी। इनकी सुन्दरता देखते ही बनती थी। केसरगंज पड़ाव, शिवाजी पार्क, मदार गेट, चूड़ी बाजार, नया बाजार, आगरा गेट होती हुई आजाद पार्क पहुंची। इस सुन्दर शोभायात्रा का शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने जगह-जगह स्वागत किया तथा उन्हें फल तथा शीतल जल से तरोताजा करते रहे। वहीं जगह-जगह यात्रियों को फूलों और मालाओं से स्वागत किया गया। इसमें सर्वआत्माओं के परमपिता की झांकी तथा नवदुर्गा की चैतन्य झांकी इस शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्था के मुख्यालय से आये ब्र0 कु0 भूपाल भाई, बीकानेर सेवाकेन्द्रों की प्रभारी ब्र0 कु0 कमल बहन, जयपुर की सबजोन इंचार्ज, ब्र0 कु0 पूनम, चत्तौड़गढ़, मेड़तासीटी, किशनगढ़, नागौर, दौसा, पुष्कर, सूरतगढ़, चुरू, नसीराबाद, श्रीगंगानगर, ब्यावर के साथ पूरे राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से आये अनुयाईयों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

चैन की नींद के लिए आध्यात्मिकता वर्तमान समय की मांग–सिंधिया

अजमेर, 27 मार्च। आज मनुष्य की जिंदगी भागदौड़ भरी हो गयी है वह शान्ति के लिए भाग रहा है परन्तु शान्ति उससे दूर होती चली जा रही है। हम तकिया पर चैन की नींद सो सके इसके लिए आध्यात्मिकता वर्तमान समय की मांग है। उक्त उद्‌गार राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे सिंधिया ने व्यक्त किये। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय अजमेर के द्वारा नवसंवत्सर के पावन अवसर पर आजाद पार्क में आयोजित नव दुर्गा की चैतन्य झांकियों से सजे जीवन मूल्य आध्यात्मिक मेले के उद्‌घाटन अवसर पर बोल रही थी।

अपने प्रस्तावित कार्यक्रम से दो घंटे देरी से पहुंची सिंधिया ने लोगों से क्षमा मांगते हुए कहा कि आज राजनीति ज्यादा उथल–पुथल वाली हो गयी है फिर भी परन्तु मनुष्य को अपने अन्दर से शांति को दूर नहीं होने देना चाहिए। यदि आप सच्चे है और दिल में शांति है तो आपके तरफ उठने वाली हजार उंगुलियां भी शांत हो जाती है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा यह आयोजित जीवन मूल्य आध्यात्मिक मेला कार्यक्रम वर्तमान समय की मांग है। यदि हम सभी शांति से सुखमय जीवन जीना चाहते है तों आज के दिन मूल्यों को जीवन में अपनाने का संकल्प लें। जब हम ईश्वर के सानिध्य में रहेंगे तब न तो हमसे गलत कार्य होंगे और नहीं हम अशांत होंगे। आज पूरी दुनियां में राम और रावण की लड़ाई चल रही है। हम शांति और शक्ति से ही रावण जैसे आसुरी शक्तियों पर जीत पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान आगे बढ़ा है और उसे हमें आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ लड़ते रहेंगे।

इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय माउण्ट आबू की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी ने कहा कि आज पूरा विश्व अशांति की ओर बढ़ता जा रहा है। जितना मनुष्य मानवीय मूल्यों को दरकिनार करता जा रहा है उतना अराजकता बढ़ती जा रही है। यदि हमें पूरे विश्व में शांति और अमन चैन लाना है तो उसके लिए आध्यात्मिकता को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने राजयोग की विद्या को जीवन परिवर्तन करने का सर्वश्रेष्ठ विधि बतायी। नवदुर्गा के सम्बन्ध में बोलते हुए कहा कि प्रत्येक नर और नारी देवी–देवताओं जैसा बन सकता है। लेकिन उसके लिए मूल्यों को जीवन में धारण करना पड़ेगा। ब्रह्माकुमारीज संस्था के शान्तिवन से आये ब्र0 कु0 भूपाल ने सभी का स्वागत किया तथा बीकानेर से आयी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र0 कु0 कमल ने मेले के उददेश्य पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन जयपुर से आये उद्योगपति ब्र0 कु0 मदनलाल शर्मा ने किया। जयपुर की ब्र0 कु0 पूनम ने आशिर्वचन किया तथा कार्यक्रम का संचालन सुरजाराम जी ने किया।

कार्यक्रम के मध्य में मेले का दीप प्रज्जवलन कर उदघाटन किया गया इसके बाद वसुन्धरा राजे सिंधिया तथा नौ देवियों की चैतन्य झांकी का उदघाटन कर प्रार्थना की। इस अवसर पर राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने साल ओढ़ाकर तथा ईश्वरीय उपहार भेंट कर वसुन्धरा का स्वागत किया। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। वसुन्धरा राजे सिंधिया के साथ पूर्व शिक्षामंत्री वासुदेव देवनानी, सांसद रासासिंह रावत, विधायिका अनिता बधेल, पूर्व जलंससाधन मंत्री मंत्री प्रो0 सावरमल जाट उपस्थित थे।